**विनिर्दिष्ट अनुपालन हेतु वाद (नं० 2)**

**Suit for Specific Performance (No. 2)**

**(प्रारूप संख्या 47 परिशिष्ट क सीपीसी देखें)**

न्यायालय ............

अ० ब०स० ............ वादी

**बनाम**

स०द० फ० ............ प्रतिवादी

श्रीमान जी,

उपरोक्त नामांकित वादी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

श्रीमान जी,

उपरोक्त नामांकित वादी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

1. 1. यह कि दिनांक ............ को वादी और प्रतिवादी द्वारा ............ रु० में वर्णित अचल सम्पत्ति के विक्रय का एक अनुबन्ध लिखित में निष्पादित किया गया था। दस्तावेज की मूल प्रति इस वाद पत्र के साथ संलग्न है । अनुबन्ध पंजीकृत है।
2. यह कि दस्तावेज में दिये गये विवरणानुसार प्रतिवादी पूर्णतया अचल सम्पत्ति का हकदार था। अनुबन्ध में वर्णित समय संविदा का मर्म नहीं था।
3. यह कि दिनांक ............ को वादी द्वारा प्रतिवादी के अंकन रु० ........... निविदित किये गये थे और पर्याप्त लिखत निष्पादित करके उक्त सम्पत्ति को अंतरित करने का अनुरोध किया गया था किन्तु प्रतिवादी द्वारा वादी के नाम में अंतरण करने से मना कर दिया गया)।
4. यह कि प्रतिवादी द्वारा सम्पत्ति के अंतरण करने का कोई दस्तावेज नहीं लिखा गया । अनुबन्ध का उलंघन किया है
5. यह कि वादी सदैव इच्छुक व तैयार रहा है। अब भी इच्छुक और तैयार है कि वह प्रतिवादी को क्रय मूल्य अदा कर दे।
6. यह कि वाद का हेतुक दिनाँक ............ को विक्रय अनबन्ध को निष्पादित व पंजीकृत होने से तथा दिनाँक ............ को अनुबन्ध का अनुपालन करने से इन्कार करने से माननाय न्यायालय के क्षेत्राअधिकार में उत्पन्न हुआ और मान्य न्यायालय के वाद के श्रवण का क्षेत्राधिकार प्राप्त है।
7. यह कि वाद का मूल्यांकन न्यायालय के कार्य क्षेत्र हेत अंकन रु० ............. है और न्याय शुल्क के वास्ते अंकन रु० ............. है। तदानुसार न्याय शुल्क भुगतान किया जाता है ।
8. वादी निम्न प्रकार अनुतोष की प्रार्थना करता है :
9. प्रतिवादी द्वारा उक्त सम्पत्ति का अंतरण वादी को पर्याप्त लिखत के आधार पर प्रातका लेकर निष्पादित कराने व अन्तरण के साथ कब्जा दिलाने का आदेश देने की कृपा करें।
10. अंकन रु० ............. प्रतिकर इसे रोके जाने के ऐवज में दिलाया जाये । तथा वाद दिलाया जावे।

**वादी ......**

**द्वारा अधिवक्ता.......**

**सत्यापन**

मैं कि वादी........... यह सत्यापित करता हूँ कि वाद पत्र के पैरा 1 तथा 5 तक का कथन मेरी निजी जानकारी में सत्य हैं और पैरा 6.7.8 का कथन काननी सलाह पर आधारित हैं जो मेरे विश्वास में सत्य हैं।

सत्यापित - स्थान ............ दिनांक ............ (वादी)